The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 10 | October 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) का SWOC विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. शमशेर सिंह काका

सहायक प्राध्यापक, प्रशांति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, उज्जैन म.प्र . Email- ssskaka13@gmail.com

सतवीर सिंह काका

ओरिएण्टल यूनिवर्सिटी, इन्दौर म.प्र Email- sskaka13@gmail.com

डॉ. ज्योति मैवाल

प्राचार्य, प्रशांति कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, उज्जैन म.प्र. Email- principalpcps2007@gmail.com

तन्विंदर कौर काका

ओरिएण्टल यूनिवर्सिटी, इन्दौर म.प्र. Email- tainvindar13@gmail.com

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.17715236

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 28-10-2025

Published: 10-11-2025

Keywords:

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अवधारणा और अनुप्रयोग, मनोवृतियों में परिवर्तन, शिक्षा में वस्तुनिष्ठता, ज्ञान का परिष्कार, कार्य कुशलता में वृद्धि

ABSTRACT

वर्तमान आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का अविष्कार एक क्रांतिकारी चमत्कार से कम नहीं हैं | शिक्षा जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) का जैसे –जैसे उपयोग किया जा रहा है वैसे ही कक्षाएँ अपनी पारंपरिक सीम क्षेत्रो से आगे विकशित हो रही है | आज दुनिया भर के शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रवेश कर रही हैं, शिक्षण और अधिगम में एक चमत्कारी परिवर्तन हो रहा हैं, इससे ज्ञान प्राप्ति, शोध , प्रसंस्करण, अवधारणा और अनुप्रयोंग के तौर तरीको को नया स्वरूप प्रदान करने का अवसर मिल रहा हैं | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा क्षेत्र में शक्तिशाली सहयोगी के रूप में उभर रहा हैं , जो मानवीय ज्ञान का विकास, व्यावहारिक समस्याओं के समाधान, पूर्वाग्रहो के निदान एवं निराकरण, शिक्षको और विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में, मनोवृतियों में परिवर्तन, शिक्षा में वस्तुनिष्ठता, ज्ञान का परिष्कार, कार्य कुशलता में वृद्धि , जागरूकता की भावना का

विकास और शिक्षण को प्रभावशाली बनाते हुए व्यक्तिगत शिक्षा के लिए नए आयाम व मार्ग प्रसस्थ कर रहा है, जिन्हें पूर्वतः बड़े पैमाने पर प्राप्त करना असंभव था | जो शिक्षा को अधिक सरल, सहज, प्रभावशाली और व्यक्तिगत स्वरूप में सहयोग प्राप्त हो सकता है,जिससे विद्यार्थियों को अपनी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग मिल सकता हैं जैसे - शिक्षा में नए सिद्धांत , अवधारणाओ और विधियों का विकास करना | शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और दक्षता में वृद्धि,शिक्षक और विद्यार्थियों के शिक्षा अनुभव में सुधार, शिक्षा से शिक्षक और विद्यार्थियों के जीवन यापन में सुधार, व्यक्तिगत शिक्षा, बहु आयामी पाठयक्रम, इंटरैक्तिव पाठयक्रम, शिक्षण और अधिगम के दोरान दोहरे जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने की क्षमता, स्वचालित मूल्यांकन, आँनलाइन पाठयक्रम, और दूरस्थ शिक्षा की पहुच और विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी कर सकते हैं| कृत्रिम बुद्धिमता वरदान और अभिशाप भी हैं क्योकि विद्यार्थियों का संज्ञात्मक विकास के साथ भावात्मक एवं क्रियात्मक विकास का आभाव रहेगा , एआई शिक्षको का स्थान ले लेगे , ऐसी परिस्थिति उत्पन होगी, भयात्मक स्थिति हो सकती हैं| असामंजस्यता, असमानता, नैतिक मुद्दे , तकनीकी समस्याएं, प्रशिक्षण और समर्थन, सुरक्षा और गोपनीयता की चुनोतिपूर्ण स्थिति का समाधान करते हुए भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का शिक्षा में उपयोग और भी बढ़ने की संभावना हैं , जिससे शिक्षा और भी अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत, समावेशी बनाने में सहयोग प्राप्त होगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा |

प्रस्तावना (INTRODUCTION) :-

वर्तमान आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का अविष्कार एक क्रांतिकारी चमत्कार से कम नहीं हैं | शिक्षा जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) का जैसे –जैसे उपयोग किया जा रहा है वैसे ही कक्षाएँ अपनी पारंपरिक सीम क्षेत्रो से आगे विकसित हो रही है | आज दुनिया भर के शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रवेश कर रही हैं,

शिक्षण और अधिगम में एक चमत्कारी परिवर्तन हो रहा हैं, इससे ज्ञान प्राप्ति, शोध , प्रसंस्करण, अवधारणा और अनुप्रयोंग के तौर तरीको को नया स्वरूप प्रदान करने का अवसर मिल रहा हैं |

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा क्षेत्र में शक्तिशाली सहयोगी के रूप में उभर रहा हैं , जो मानवीय ज्ञान शिक्षण को प्रभावशाली बनाते हुए व्यक्तिगत शिक्षा के लिए नए आयाम व मार्ग प्रसस्थ कर रहा है , जिन्हें पूर्वतः बड़े पैमाने पर प्राप्त करना असंभव था |

शिक्षा जगत में वर्तमान आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता वरदान और अभिशाप हैं क्योकि विद्यार्थियों का संज्ञात्मक विकाश के साथ भावात्मक एवं क्रियात्मक विकाश का आभाव रहेगा , एआई शिक्षको का स्थान ले लेगे , ऐसी परिस्थिति उत्पन होगी जो भयात्मक स्थिति हो सकती हैं|

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता ताकतें (STRENTH OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE) :-

कृत्रिम बुद्धिमता ताकतों का शिक्षा जगत में अनुप्रयोंग करने से शिक्षा को अधिक सरल, सहज, प्रभावशाली और व्यक्तिगत स्वरूप में सहयोग प्राप्त हो सकता है,जिससे विद्यार्थियों को अपनी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग मिल सकता हैं जैसे –

1. **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)AI या कृत्रिम बुद्धिमता (मानवीय ज्ञान के विकास में सहायक हैं-:** कृत्रिम बुद्धिमता से प्राप्त शैक्षिक ज्ञान को नवीन ज्ञानपरिवर्द्धन कर सकता है जिससे , से जोड़कर उसका पुनरावृत्ति ,तथ्यों ,नियमों ,सिद्दांतो , |मानवीय ज्ञान में वृद्धि हो सकती है
2. कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा जगत में प्रगति की शक्तिशाली कुंजी बन सकती है|
3. **कृत्रिम बुद्धिमता व्यावहारिक समस्याओं के समाधान का एक प्रबल यंत्र बन सकता है-:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा के अलावा शिक्षको और विद्यार्थियों चिकित्सा , ओद्धोगिक मनोवैज्ञानिक ,के आधुनिक जीवन में सामाजिक (व्यक्तियों) आदि क्षेत्रो में कृतिम बुद्धिमता की अत्यधिक उपयोगिता है|
4. **कृत्रिम बुद्धिमता अनेक पूर्वाग्रहो के निदान एवं निराकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है-:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा के द्वारा परचित पूर्वाग्रहो का निदान वैज्ञानिक तरीके से करने में सक्षम हो सकता है|

5. **कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षको और विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकते हैं -:**
6. **कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षकोविद्यार्थियों और शैक्षिक कार्यो में कार्यरत व्यक्तियों की मनोवृतियों में परिवर्तन में , -: सहायक हो सकता हैं** शिक्षा के साथ साथ सामाजिकआर्थिक विकास के ल ,िए शिक्षको और विद्यार्थियों की मनोवृतियों में परिवर्तन आवश्यक है और इस बदलाव को लेन में कृत्रिम बुद्धिमता महत्वपूर्ण भूमिका निभा (व्यक्तियों) |सकता है
7. **कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा में वस्तुनिष्ठता प्रदान कर सकती है-:** कृत्रिम बुद्धिमता विभिन्न शैक्षिक प्रदतों व तथ्यों का , |संग्रह करने के बाद उनकी विश्वसनीयता एवं वैधता की जॉच की जा सकती है
8. **कृत्रिम बुद्धिमता का आधार वैज्ञानिक होता हैं -:** कृत्रिम बुद्धिमता रूढिगत शिक्षण अधिगम विचारों और व्यवहारों में परिवर्तन लाकर उसे अधिक वैज्ञानिक आधार प्रदान कर सकता है |
9. **कृत्रिम बुद्धिमता ज्ञान का परिष्कार करता है -:** कृत्रिम बुद्धिमता से प्राप्त ज्ञान को नवीन ज्ञान तथ्यों से जोड़कर उसका परिष्कार करता है तथा नए शैक्षिक ज्ञान की प्राप्ति हो सकती हैं कृत्रिम बुद्धिमता उपलब्ध शैक्षिक ज्ञान की वर्त्तमान | शैक्षिक ज्ञान से तुलना करके उसका परिष्कार करने में सहायक होता है |
10. **कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षको और विद्यार्थियों में कार्य कुशलता में वृद्धि करता हो-:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षको और विद्यार्थियों क्योकि ये विभिन्न प्रदतों या तथ्यो ,की क्षमता में वृद्धि होती है (व्यक्तियों)ंके संग्रह एवं अवलोकन कर के , कल्पना विश्लेषण शक्ति आदि का , सृजन ,जिससे शिक्षको और विद्यार्थियों की चिन्तन |उसकी वस्तुनिष्ठ ज्ञान प्राप्त करते हैं |विकास होता है जिससे वह कुशलतापूर्वक शिक्षण अधिगम कार्य कर सकता है
11. **कृत्रिम बुद्धिमता जागरूकता की भावना का विकास करता है-:** कृत्रिम बुद्धिमता के द्वारा विभिन्न प्रदतों ,तथ्यों , इस वास्तविक ज्ञान के |घटनाओं की गहराई से जाँच की जाती हैं तथा उसके वास्तविक ज्ञान का विश्लेषण किया जाता हैं |द्वारा जागरूकता की भावना का विकास होता है
12. शैक्षिक प्रदतों का विश्लेषण करने में तेजी और सटीकता से कर सकते हैं |
13. शिक्षण और अधिगम के दोरान दोहरे जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने की क्षमता |
14. शैक्षणिक निर्णय लेने में सुधार |
15. शिक्षा में नए अवसरों की पहचान करने में मदद होगी |

16. **व्यक्तिगत शिक्षा -:** कृत्रिम बुद्धिमता व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान कर सकता है जिससे विद्यार्थियों को अपनी गति से , | सीखने में मदद मिलाती हैं
17. **स्वचालित मूल्यांकन -:** कृत्रिम बुद्धिमता स्वचालित मूल्यांकन तुरंत प्रदान कर सकता हैं जिस से शिक्षकों का समय बचता हैं और विद्यार्थियों को तुरंत परिणाम के रूप में प्रतिक्रिया प्राप्त हो सकती है
18. **पहुँच -:** कृत्रिम बुद्धिमता दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को भी शिक्षा प्राप्त करने में अधिक पहुच योग्य बना सकती हैं |
19. **इंटरैक्तिव शिक्षा -:** कृत्रिम बुद्धिमता इंटरैक्तिव शिक्षा के माध्यम वीडियों व्याख्यान और क्विज / प्रश्नोत्तर से शिक्षा प्रदान कर सकता है
20. **विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी -:** कृत्रिम बुद्धिमता विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी कर सकता है जिससे शिक्षको को विद्यार्थियों की आवश्कता को समझने में सहयोग मिल सकता है |

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता कमजोरियाँ (WEAKNESSES OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE) :-

कृत्रिम बुद्धिमता की कमजोरियाँ शिक्षा में शिक्षण – अधिगम को प्रभावित करसकती हाँ जैसे -

1. शैक्षिक प्रदतों की गुणवत्ता की असामंजस्य की स्थिति हो सकती हैं |
2. शिक्षा पूर्वाग्रह और भेदभाव की संभावना की स्थिति हो सकती हैं |
3. शिक्षक जैसी समझ और सहानुभूति का अभाव की स्थिति हो सकती हैं |
4. शैक्षिक परिणामों की सुरक्षा और गोपनीयता का अभाव संबंधी चिंताएं |
5. **मानव सम्पर्क की कमी -:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा में मानव सम्पर्क का अभाव होता है जिसके फलस्वरूप , | विद्यार्थियों का सामाजिक और भावनात्मक समर्थन नहीं मिल पता हैं
6. **शैक्षिक प्रदतों की गुणवत्ता :-** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा की प्रदतों की गुणवत्ता पर निर्भर कराती है और खराब प्रदतों की जानकारी से शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं |
7. **सुरक्षा जोखिम -:** शैक्षिक प्रदतों की चोरी और साइबर खतरों के कारण सुरक्षा जोखिम हो सकता हैं |

8. **तकनीकी समस्याएं -:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा प्रणाली में इंटरनेट कनेक्टिविटी सम्बन्धित तकनीकी समस्याएं उत्तपन हो सकती हैं |

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता अवसर (OPPORTUNITIES OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE) :-

कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा जगत में विद्यार्थियों को कई अवसर प्रदान कर सकती है जिससे वे शिक्षा को अधिक सरल, सहज, प्रभावशाली और व्यक्तिगत स्वरूप में परिवर्तित कर अपनी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग मिल सकता हैं जैसे -

1. शिक्षा दक्षता में वृद्धि |
2. शिक्षा में नए सिद्धांत | अवधारणाओ और विधियों का विकास करना ,
3. शिक्षक और विद्यार्थियों के शिक्षा अनुभव में सुधार |
4. शिक्षा से शिक्षक और विद्यार्थियों के जीवन यापन में सुधार |
5. **शिक्षा में नवाचार -:**कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा में नवाचार को बढावा दे सकती है जैसे की बहु आयामी पाठयक्रम, | और व्यक्तिगत शिक्षा आदि ,इंटरैक्तिव पाठयक्रम
6. **शिक्षा की पहुच -:** आँनलाइन पाठयक्रम और दूरस्थ ,शिक्षा को कृत्रिम बुद्धिमता अधिक पहुच योग्य बना सकती हैं |

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता चुनोतियाँ (CHALLENGES OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE)) :-

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का शिक्षा में उपयोग करने से कुछ चुनोतियाँ भी हो सकती हैं जैसे कि -

1. **शिक्षकों की जगह -:** शिक्षक के स्थान पर एआई द्वारा जगह ले सकता हैजिसके फलस्वरूप रोजगार के , , | जिससे शिक्षक बेरोजगारी के निदान की चुनोति विधमान होगी | अवसर कम हो सकते हैं
2. **शैक्षिक प्रदतों की गुणवत्ता की असामंजस्यता -:** कृत्रिम बुद्धिमता को प्रशिक्षित करने के लिए उच्चय गुणवत्ता वाले प्रदतों की आवश्यकता होती है जो सर्वदा उपलब्ध नहीं होते हैं |
3. शिक्षा पूर्वाग्रह और भेदभावका की चुनोति विधमान होगी |

4. शिक्षक जैसी समझ और सहानुभूति का खतरा होता हैं |
5. शैक्षिक परिणामों की सुरक्षा और गोपनीयता का खतरा होता हैं |
6. शिक्षा के नियमों और नीतियों की कमी से इसके उपयोग में समस्याएं आ सकती हैं |
7. **असमानता -:** कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा में असमानता को उत्पन कर सकती है जिन विद्यार्थियों के पास तकनीकी की पहुच नहीं है वे शिक्षा से वंचित रह सकते हैं|
8. **तकनीकी समस्याएं -:** कृत्रिम बुद्धिमता को विकसित और लागू करने में तकनीकी समस्याएँ चुनोतिपूर्ण हो सकती है |
9. **शिक्षकों की भूमिका -:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)AIया कृत्रिम बुद्धिमता (के आने से शिक्षकों की भूमिका में बदलाव आ सकता है सीखने की आव , जिससे उन्हें ने कौशल ,श्यकता हो सकती है |
10. **प्रशिक्षण और समर्थन -:** कृत्रिम बुद्धिमता को प्रभावी तरीके से उपयोग करने के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और समर्थन की आवश्यकता हो सकती है |
11. **नैतिक मुद्दे -:** कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग से नैतिक मुद्दे भी उत्पन हो सकते हैं ,जैसे विद्यार्थियों की गोपनीयता की रक्षा करना चुनोतिपूर्ण कार्य होगा |

निष्कर्ष (CONCLUSION) :-

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का अविष्कार एक नए युग की शुरुवात माना जा रहा है | जो शिक्षा को अधिक सरल, सहज, प्रभावशाली और व्यक्तिगत स्वरूप में सहयोग प्राप्त हो सकता है,जिससे विद्यार्थियों को अपनी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग मिल सकता हैं जैसे - शिक्षा में नए सिद्धांत , अवधारणाओ और विधियों का विकास करना | शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और दक्षता में वृद्धि, शिक्षक और विद्यार्थियों के शिक्षा अनुभव में सुधार, शिक्षा से शिक्षक और विद्यार्थियों के जीवन यापन में सुधार, व्यक्तिगत शिक्षा, बहु आयामी पाठयक्रम, इंटरैक्तिव पाठयक्रम, स्वचालित मूल्यांकन, आँनलाइन पाठयक्रम, और दूरस्थ शिक्षा की पहुच और विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी कर सकते हैं| कृतिम बुद्धिमता वरदान और अभिशाप भी हैं क्योकि विद्यार्थियों का संज्ञात्मक विकाश के साथ भावात्मक एवं क्रियात्मक विकास का आभाव रहेगा , एआई शिक्षको का स्थान ले लेगे , ऐसी परिस्थिति उत्पन होगी, भयात्मक स्थिति हो सकती हैं| असामंजस्यता, असमानता, नैतिक मुद्दे , तकनीकी समस्याएं, प्रशिक्षण और समर्थन, सुरक्षा और गोपनीयता की चुनोतिपूर्ण स्थिति का समाधान करते हुए भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) या कृत्रिम बुद्धिमता का शिक्षा में उपयोग और भी बढ़ने की संभावना हैं ,

जिससे शिक्षा और भी अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत, समावेशी बनाने में सहयोग प्राप्त होगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा |

सन्दर्भ (REFERENCE) :-

1. श्रीवास्तव) .पी ,2013 ,शिक्षा और अनुसंधान . एक समीक्षा : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का शिखा में उपयोग .(17)1(,1-10.
2. कुमार) .एस ,2014शिक्षा और प् . आधारित शिक्षा प्रणाली का विकाश और मूल्यांकन -एआई .(रोद्धोगिकी ,18)3(,1-15 .
3. जोशी) .आर ,2015 ,शिक्षा और अनुसंधान .एक द्रष्टिकोण : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का शिक्षा में उपयोग .(19)2(,1-12.
4. पटेल) .पी ,2016 ,शिक्षा और प्रोद्धोगिकी .एक अध्ययन : एआई का शिक्षा में उपयोग .(20)1(,1-15.
5. यादव) .ए ,2017आर्टिफिशियल .(इंटेलिजेंस का शिक्षा में उपयोग ,शिक्षा और अनुसंधान .एक समीक्षा :21)3(,1-15.
6. सिंह) .आर ,2018 ,शिक्षा और प्रोद्धोगिकी . आधारित शिक्षा प्रणाली का विकाश और मूल्यांकन -एआई .(22)2(,1-12.
7. गुप्ता) .पी ,2019 एक : आधारित शिक्षा प्रणाली का शिक्षा में उपयोग -एआई .(द्रष्टिकोण ,शिक्षा और अनुसंधान . 23)1(,1-10.
8. मिश्रा) .आर ,2020 ,शिक्षा और प्रोद्धोगिकी .एक अध्ययन : एआई का शिक्षा में उपयोग .(24)3(,1-15.
9. तिवारी) .पी ,2021 ,शिक्षा और अनुसंधान .एक समीक्षा : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का शिक्षा में उपयोग .(25)2(,1-12.
10. श्रीवास्तव) .पी ,2022 ,शिक्षा और प्रोद्धोगिकी . आधारित शिक्षा प्रणाली का विकाश और मूल्यांकन -एआई .(27)1(, 1-10.
11. शर्मा) .आर,2022 ,शिक्षा और प्रोद्धोगिकी . आधारित शिक्षा प्रणाली का विकाश और मूल्यांकन -एआई .(26)2(, 1-12.